

वार्षिक रिपोर्ट ANNUAL REPORT 2009-2010

विषय-सूची CONTENTS

विवरण Particulars	पृष्ठ सं Page No.
1. अध्यक्ष का अभिभाषण Chairman's Statement	2
2. सूचना Notice	10
3. निदेशकों की रिपोर्ट Directors' Report	16
4. प्रबंधन-वर्ग विवेचन एवं विश्लेषण Management Discussion & Analysis	28
5. कार्पोरेट अभिशासन पर रिपोर्ट Report on Corporate Governance	58
6. बैंक की गत दस वर्ष के निष्पादन की विशिष्टताएँ Performance Highlights for the last 10 years	107
7. तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि लेखा Balance Sheet and Profit & Loss Account	126
8. समेकित तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि लेखा Consolidated Balance Sheet and Profit & Loss Account	178
9. कार्पबैंक सिक्यूरिटीज़ लि. (अनुषंगी कंपनी) के लेखे Accounts of CorpBank Securities Ltd. (Subsidiary Company)	201
10. उपस्थिति पर्ची Attendance Slip	227
11. एनईसीएस अधिदेश NECS Mandate	229
12. प्रॉक्सी फार्म Proxy Form	231

मुख्य वित्तीय अधिकारी
पी. आर. कारंत

कंपनी सचिव
एस. के. दाश

लेखा परीक्षक

मेसर्स राव एण्ड स्वामी
मेसर्स किशोर एण्ड किशोर
मेसर्स पद्मानाभन रमणी एण्ड
रामानुजम
मेसर्स जैन चोपड़ा एण्ड कं.
मेसर्स पद्मानाभन प्रकाश एण्ड कं.
मेसर्स आर. देवेंद्र कुमार एण्ड असोसिएट्स

Chief Financial Officer

P. R. Karanth

Company Secretary

S. K. Dash

Auditors

M/s Rao and Swami
M/s Kishore and Kishore
M/s Padmanabhan Ramani and
Ramanujam
M/s Jain Chopra & Company
M/s Padmanabhan Prakash & Co.
M/s R. Devendra Kumar & Associates

रजिस्ट्रार एवं शेयर

अंतरण एजेंट

कार्बी कंप्यूटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड
प्लॉट नं. 17-24

विट्ठल राव नगर

माधापुर

हैदराबाद – 500 081

दूरभाष: 040-44655115

040-44655117

फैक्स: 040-44655021

टोल फ्री नं. 1-800-3454-001

ई-मेल: einward.ris@karvy.com

Registrar & Share

Transfer Agent

Karvy Computershare Pvt. Ltd.

Plot No. 17-24

Vittal Rao Nagar

Madhapur

Hyderabad – 500 081

Tel: 040-44655115

040-44655117

Fax: 040-44655021

Toll Free No. 1-800-3454-001

E-mail: einward.ris@karvy.com

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की ओर से

प्रिय शेयरधारको,

1. कापरेशन बैंक की तेरहवीं वार्षिक सामान्य बैठक में बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में दूसरी बार आप सभी का स्वागत करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। इस शुभ अवसर पर मुझे देश के आर्थिक परिदृश्य का संक्षिप्त विवरण तथा आपके बैंक के निष्पादन की प्रमुख विशेषताएं आपके सम्मुख रखते हुए बेहद खुशी हो रही है।

2. आर्थिक परिदृश्य

2009-10 के दौरान, वैश्विक अर्थव्यवस्था वैश्विक खलबली के कारण अनुभव की गई मंदी से स्थिरता दर्शाने लगी। तथापि पुनरुत्थान की गति तथा आकार अनिश्चित है।

भारतीय अर्थव्यवस्था का निष्पादन अपने विदेशी प्रतिपक्ष की तुलना में काफी हद तक अच्छा रहा। पूर्व प्राक्कलन के अनुसार 2009-10 में औद्योगिक तथा सेवा क्षेत्रों में क्रमशः 8.2% तथा 8.7% वृद्धि के साथ अर्थव्यवस्था में 7.2% की संवृद्धि की उम्मीद है। तथापि, 2009-10 में कृषि संवृद्धि में 0.2% की गिरावट की संभावना है। आर्थिक सर्वेक्षण (2009-10) का यह पूर्वानुमान है कि भारत में चार वर्षों में विश्व की तीव्रतम बढ़ती अर्थव्यवस्था बनने के प्रयास में 2010-11 में 8.75% तथा 2011-12 में 9% की उच्च संवृद्धि होगी।

वित्तीय वर्ष 2010 में, फरवरी 10 तक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आई.आई.पी.) की संवृद्धि दर गत वर्ष की तदनुसूची अवधि में मात्र 3% की संवृद्धि की तुलना में 10.1% की उच्च दर रही। भारत के विदेशी व्यापार में भी फरवरी 10 के दौरान निर्यात तथा आयात में प्रभावी संवृद्धि के साथ वृद्धि हुई है जिससे अप्रैल-फरवरी 2009-10 में व्यापार-घाटा \$ 95.42 बिलियन तक कम हो गया।

2009-10 में उच्च द्विअंकीय खाद्य मुद्रास्फीति तथा उसकी अस्थिरता चिंता का मुख्य विषय था। मार्च '09 में विश्व मूल्य सूचकांक 1.2% तक बढ़ा, जून-अगस्त '09 के दौरान नकारात्मक रहा, किंतु मार्च 10 तक 9.9% तक गति बढ़ी।

बैंकिंग परिदृश्य में वित्तीय वर्ष 2010 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की समग्र जमा राशियों में पिछले वर्ष में दर्ज 19.9% की तुलना में 17% की वृद्धि हुई। बैंक उधार में वित्तीय वर्ष 2010 के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा परिकल्पित खाद्येतर उधार वृद्धि (संशोधित) लक्ष्य 16% से अधिक 16.7% की हुई। स्थूल मुद्रा में वृद्धि पिछले वित्तीय वर्ष के 19.3% की तुलना में 26 मार्च 2010 को 16.7% थी।

2009-10 के दौरान, आपके बैंक का काफी अच्छा निष्पादन रहा। जमा राशियाँ तथा ऋण दोनों ने बैंकिंग प्रणाली से अधिक की उच्चतर संवृद्धि दर्ज की। बैंक ने वर्ष के दौरान दो मील के पत्थर तय किए हैं - कुल कारोबार ने रु. 1,50,000



करोड़ पार किया तथा निवल लाभ ने रु. 1000 करोड़ पार किया। बैंक का लक्ष्य आगामी वर्षों में रु. 2,00,000 करोड़ पार करना है। बैंक में दीर्घकालिक योजना कार्यान्वयनाधीन हैं जिससे आने वाले कुछ वर्षों में बैंक उच्चतर पथ पर पहुँच जाएगा।

3. निष्पादन संबंधी मुख्य बातें:

आपके बैंक ने वर्ष के दौरान कारोबार तथा लाभप्रदता में भव्य संवृद्धि निष्पादन दर्ज किया। बैंक ने 105 वर्षों पूर्व मंदिर नगरी उडुपि में अपनी शुरुआत की तथा अपनी उत्कृष्ट सेवा से लोगों का विश्वास जीत लिया। निरंतर संवृद्धि दर्शाती हैं कि:

3.1 कारोबार संवृद्धि

(रु. करोड़ में)



कुल कारोबार: बैंक का कुल कारोबार यथा 31.03.2010 को रु. 155936 करोड़ रहा।

FROM THE CHAIRMAN AND MANAGING DIRECTOR

Dear Shareholders,

1. I have great pleasure in welcoming you all to the thirteenth Annual General Meeting of Corporation Bank, which I am addressing the second consecutive time as the Chairman & Managing Director of the Bank. On this auspicious occasion I am happy to share with you in brief, the Economic Scenario of the Country and the salient features of your Bank's Performance.

2. Economic Scenario

During 2009-10, global economy was showing signs of stabilization from the slow down it experienced on account of the global financial turmoil. However, the pace and shape of recovery continues to remain uncertain.

The performance of the Indian economy has been reasonably good as compared to its foreign counterparts. As per the advance estimates the economy is expected to grow at 7.2% in 2009-10, with the industrial and the service sectors growing at 8.2% and 8.7% respectively. However, agriculture growth is expected to fall by 0.2% in 2009-10. The Economic Survey (2009-10), predicted that India would bounce back to a high growth of 8.75% in 2010-11 and 9% in 2011-12, on the way to becoming world's fastest growing economy in four years.

In FY 2010, up to Feb. '10, the growth rate of Index of Industrial Production (IIP) was higher at 10.1%, compared to a growth of just 3.0% in the corresponding period of the previous year. India's foreign trade is also picking up with an impressive growth in exports and imports during Feb. '10, which narrowed down the trade deficit to \$95.42 bn in April – Feb. 2009-10.

A major concern was the emergence of high double-digit food inflation and its volatility in 2009-10. WPI was up 1.2% in March '09, became negative during June – August '09, but had accelerated to 9.9% by March '10.

On the banking front, during FY 2010, aggregate deposits of Scheduled Commercial Banks (SCBs) increased by 17.0% compared to 19.9% recorded in the previous year. Bank credit grew by 16.7%, exceeding RBI's projected non-food credit growth (revised) target of 16% for FY 2010. Broad money (M3), as on 26th March '10, grew by 16.7% compared to 19.3% recorded in the corresponding previous year.

During 2009-10, your Bank has done exceedingly well. Both deposit and credit have registered a higher growth than the banking system. The Bank has surpassed two milestones during the year – While the total business has crossed Rs 1,50,000 Crore



mark the Net Profit has edged past the Rs.1000 crore mark. The Bank aims to cross Rs.2,00,000 Cr. in the coming year. It is also in the process of implementing a Long Range Plan which seeks to catapult the bank into a higher orbit in the coming few years.

3. Performance Highlights

Your Bank has recorded a spectacular growth performance in business and profitability during the year. A bank which started its presence in a humble way in the temple town of Udupi 105 years back has earned and won the confidence of the people through its meritorious service. The sustained growth story reveals that:

3.1 Business Growth

(Rs. in Crore)



Total Business: Total Business of the Bank as on 31.03.2010 stood at Rs.155936 crore.

कुल कारोबार रु. 33,440 करोड़ की वृद्धि द्वारा मार्च'09 के रु. 122,496 करोड़ से रु. 155936 करोड़ हो गया।

कारोबार में वर्ष-दर-वर्ष 27.30% की वृद्धि दर्ज की।

3.2 लाभप्रदता

निवल लाभ: मार्च'10 को समाप्त वर्ष हेतु बैंक का निवल लाभ वर्ष दर वर्ष आधार पर रु. 277.48 करोड़ (31.08%) की वृद्धि के साथ मार्च'09 के रु. 892.77 करोड़ से बढ़कर रु. 1170.25 करोड़ हो गया।

(रु. करोड़ में)



मार्च'10 को समाप्त तिमाही में बैंक के निवल लाभ में 19.9% की वृद्धि हुई निवल लाभ पिछले वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही के रु. 260.49 करोड़ की तुलना में रु. 51.84 करोड़ की वृद्धि के साथ रु. 312.33 करोड़ रहा।

3.3 परिचालन लाभ: मार्च'10 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु बैंक का परिचालन लाभ वर्ष-दर-वर्ष आधार पर रु. 385.11 करोड़ (21.99%) की वृद्धि के साथ मार्च'09 के रु. 1,751.62 करोड़ से बढ़कर रु. 2136.73 करोड़ हो गया।

प्रति कर्मचारी निवल लाभ में मार्च'09 के रु. 7.64 लाख से रु. 9.52 लाख तक की वृद्धि हुई।

प्रति शाखा निवल लाभ में मार्च'09 के रु. 84.70 लाख से रु. 101.32 लाख तक की वृद्धि हुई।

3.4 जमा राशियों की लागत:

बैंक जमा लागत पिछले वर्ष की 7.31% से 5.39% की ओर कम कर पाया है।

3.5 कर्मचारी उत्पादकता: बैंक का प्रति कर्मचारी कारोबार मार्च, 2009 के रु. 10.49 करोड़ की तुलना में रु. 12.68 करोड़ रहा जो उल्लेखनीय है।

4.0 शाखा विस्तार:



बैंक का देश के न पहुँचे हुए क्षेत्रों विशेषकर उत्तर पूर्वी क्षेत्र में अपनी उपस्थिति कायम करने की महत्वाकांक्षी योजना है। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में प्रवेश की भी योजना है।

वित्तीय वर्ष 2009-10 के दौरान इसके मद्देनजर हमने देश भर में 101 शाखाएँ हैं जिससे कुल 1155 शाखाएँ हो गई हैं। बैंक के 1079 एटीएम तथा 1200 शाखारहित बैंकिंग इकाइयाँ हैं जिससे कुल कार्यात्मक इकाइयाँ 3434 हो गई हैं।

5. अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति

बैंक के दो प्रतिनिधि कार्यालय हैं - एक हांगकांग में तथा दूसरा दुबई में।

6. प्रौद्योगिकी पहल:

बैंक ने 100% कारोबार को सीबीएस के तहत कवर करके अपनी सभी इकाइयों (1217) को कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) में अंतरित कर लिया है। बैंक ने देश भर में 7 बायोमेट्रिक एटीएम 1079 एटीएम का परिचालित नेटवर्क बना लिया है। सभी शाखाओं में इंटरनेट बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है। बैंक की 1090 इकाइयों में आरटीजीएस सुविधा तथा 1066 इकाइयों में एनईएफटी सुविधा उपलब्ध है। बैंक का वीसा के साथ गठबंधन में इंटरनेशनल डेबिट कार्ड तथा क्रेडिट कार्ड सुविधा है। बैंक ने देश के विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों में 5016 पीओएस टर्मिनल स्थापित किए गए हैं। बैंक ने एटीएम के माध्यम से एनईएफटी, एसबीए, राज्य कर/वीएटी का ई-भुगतान, कैम्पस कार्ड, ट्रेवल कार्ड, एलआईसी प्रीमियम का भुगतान, एसएमएस बैंकिंग, मोबाइल भुगतान सुविधा आदि जैसे कई नए उत्पाद/सेवाएँ प्रारंभ की हैं। हाल ही में बैंक ने देश भर में एटीएमों के माध्यम से प्रत्यक्ष कर के भुगतान की सुविधा प्रारंभ की है। बैंक ने कार्पोरेट ग्राहकों के लिए प्री-पेड गिफ्ट कार्ड भी प्रारंभ किए हैं, जिनको पीओएस टर्मिनलों में भी प्रयोग किया जा सकता है।

The total business increased by Rs.33,440 crore to Rs.155936 crore from Rs.122,496 crore in March '09.

The increase recorded in business is 27.30% on y-o-y basis.

3.2 Profitability

Net Profit: Net Profit of the Bank for the FY ended March '10 increased by Rs.277.48 crore (31.08%) on y-o-y basis from Rs.892.77 crore in March '09 to Rs.1170.25 crore.

Rs. in Crore



The Net Profit of the Bank for the Quarter [Q4] ended March '10 is up by 19.9%. The Net Profit was at Rs.312.33 crore as compared to Rs.260.49 crore as on Q4 of previous fiscal recording an increase of Rs.51.84 crore.

3.3 Operating Profit: Operating Profit of the Bank for the FY ended March '10 increased by Rs.385.11 crore (21.99%) on y-o-y basis from Rs.1,751.62 crore in March '09 to Rs.2136.73 crore.

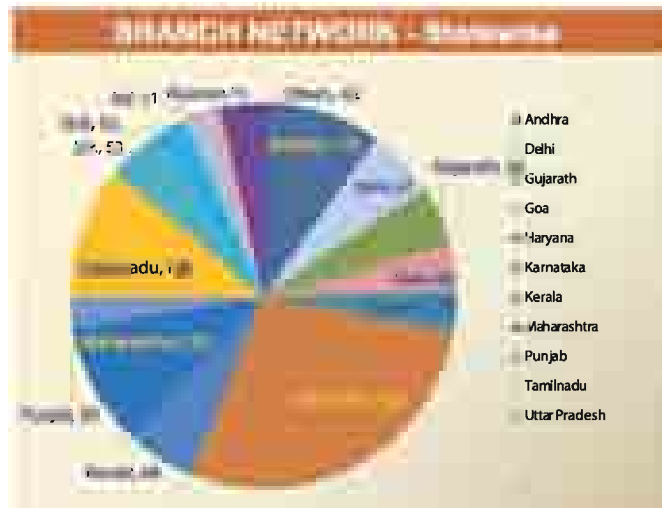
The Net Profit per employee increased to Rs.9.52 lacs from Rs.7.64 lacs in March '09.

The Net Profit per branch increased to Rs.101.32 lacs from Rs.84.70 lacs in March '09.

3.4 Cost of Deposits: The Bank is able to bring down the cost of Deposit to 5.39% from 7.31% of the previous year.

3.5 Staff Productivity: The Business per Employee of the Bank stood at Rs.12.68 crore compared to Rs.10.49 crore in March, 2009 which is remarkable.

4.0 Branch Expansion



Bank is having an ambitious plan to make its presence in the uncovered areas of the country particularly the North, West and Eastern regions. Also the Bank plans to strengthen its footings in the international arena.

During the Financial year 2009-10, we have opened 101 branches across the country thereby touching 1155 branches. The bank is having 1079 ATMs and 1200 branchless Banking Units thereby taking the total functional units to 3434.

5. International Presence

The Bank has two Representative Offices – one at Hong Kong and another at Dubai.

6. Technology Initiatives

The Bank has migrated all its units [1217] to the Core Banking Solutions [CBS] covering 100% business. The Bank has also operationalised and networked 1079 ATMs across the country inclusive of 7 Biometric ATMs. All branches have been provided with Internet Banking facility. The RTGS facility is available at 1090 units of the bank and NEFT facility is available at 1066 units of the Bank. The Bank has its own International Debit Card and Credit Card Facility in tie-up with VISA. The Bank has installed 5016 POS terminals at different merchant establishments in the country. The Bank has launched many new products / services like NEFT through ATMs, ASBA, E-payment of State Sales Tax/VAT, Campus card, Travel card, Payment of LIC premium, SMS banking, mobile payment facility, etc. Recently, the bank has launched Direct tax payment facility through ATMs across the country. The bank has also launched prepaid Gift cards for corporate customers which can be used at POS terminals.

7. वित्तीय समावेशन – कॉर्प ग्रामीण विकास केन्द्र

बैंकिंग क्षेत्र की एक नवोन्मेषी कल्पना – वित्तीय समावेशन का देश में पहली बार शुभारंभ कॉपेरिशन बैंक द्वारा किया गया। इस क्षेत्र में हम ने बहुत दूरी पार की है।

1490 गाँवों में सर्वेक्षण किया गया। शाखारहित बैंकिंग इकाईयाँ यानी, कॉर्प ग्रामीण विकास केन्द्र 1200 गाँवों में कार्यरत हैं। अपने गाँवों से कारोबार प्रतिनिधियों के माध्यम से अपने खातों के संचालन के लिए गाँववासियों को स्मार्ट कार्ड उपलब्ध कराए गए।

मार्च 2010 तक 5.47 लाख नो फ्रिल खाते खोले गए, जिनका बकाया रु. 25.97 करोड़ हैं।

जीसीसी कोर्ड धारकों को अग्रिम प्रदत्त रकम रु. 26.76 करोड़ हैं। आंध्र प्रदेश के 6 जिलों तथा कर्नाटक के बल्लारी जिले में स्मार्ट कार्डों के माध्यम से एनआरईजी तथा सामाजिक सुरक्षा पेन्शन (एस.एस.पी.) भुगतान किया जाता है।

एनआरईजी तथा एसएसपी के अंतर्गत जारी कुल कार्डों की संख्या 1.75 लाख हैं। कारोबार का यह नमूना हरियाणा राज्य (पंचकुला जिला) तथा गुजरात (आनन्द जिला) की ओर बढ़ाया जा रहा है।

बैंक अन्य राज्यों में संबंधों की खोज कर रहा है। अग्रणी आधार पर मोबाइल फोन के प्रयोग से शाखारहित बैंकिंग की शुरुआत की जा रही है। कारोबार संवाददाताओं के माध्यम से निधि के अंतरण की सुविधा दी जा रही है।

8. एमएसई क्षेत्र को वित्तीयन

सूक्ष्म तथा लघु उद्यमों को ऋण में मार्च 2009 की स्थिति से 43.93% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि से मार्च 2010 तक रु. 5707 करोड़ हो गया।

ऋण संबद्ध स्वसहायता समूहों की संख्या मार्च 2009 के 66984 से बढ़कर मार्च 2010 को 98274 हो गई थी।

सूक्ष्म क्षेत्र को ऋण मार्च 2009 के रु. 291.94 करोड़ से बढ़कर मार्च 2010 तक 84% की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 537.43 करोड़ हो गया।

9. ग्राहक वर्ग में वृद्धि

हमारे इस प्रयाण में हम ग्राहक वर्ग की वृद्धि के महत्व को पहचानते हैं। वैयक्तिक रिश्ते बनाकर ग्राहकों की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए अनोखी ग्राहक-देख-भाल के साथ अतुलनीय समाधान का परिणाम यह हुआ कि 31.3.2010 को समाप्त 12 महिनों की अवधि में 864,761 नए जमा खाते खोले गए। निम्न लागत जमाओं की संख्या बढ़ाने के लिए बैंक ने इसी अवधि के दौरान 807,774 माँग जमाएँ प्राप्त कीं। ग्राहकों की कुल संख्या मार्च 2009 की 95.07 लाख से बढ़कर 103.71 लाख हो गई।

10. इन के अलावा कॉपेरिशन बैंक द्वारा किए गए या कार्यान्वयन के लिए विचारगत ग्राहक केन्द्रित तथा समाज केन्द्रित किन्हीं कार्यकलापों के संबंध में बताने में खुशी है:

अ) सभी हिताधिकारियों की देख-भाल: बैंक के हर चाल-चलन में शेयर धारक जो बैंक के स्वामी हैं की उचित देख-भाल की जाती है। बैंक, जिनके शेयरों में प्रवर्तक के रूप में मुख्य अंश भारत सरकार के पास है व अतिरिक्त:

14.34 करोड़ इक्विटी शेयर में से व्यक्तिगत निवेशकों से लेकर विदेशी संस्थागत निवेशकों तथा देशी आद्योगिक निवेशक हमारे स्वामियों में हैं जो लगभग 33000 शेयर अपने पास रखे हैं। हमारे शेयर धारकों की विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए निवेशक सेवा विभाग नाम से एक विभाग केवल शेयरधारकों की सेवा में कार्यरत हैं।

आ) ग्राहक हमारे हर कार्यकलापों के केन्द्र में हैं तथा इसलिए बैंक के सारे कार्यकलाप ग्राहक सेवा तथा ग्राहक सुविधा बढ़ाने में केन्द्रित हैं। हमारा बैंक पूरे बैंकिंग उद्योग में इस क्षेत्र में एक विशेष छवि बनाई है। इस प्रकार बैंक की ख्याति है कि यह सार्वजनिक क्षेत्र का ऐसा बैंक है जिसको निजी क्षेत्र के बैंक की कार्यकुशलता है।

इ) बैंक के कार्यकलाप सदाचार, पारदर्शिता तथा जबाबदेही से संचालित है तथा ग्राहकों के समग्र हित में कानूनी ढाँचे के भीतर संचालित है।

ई) कर्मचारियों के अधिकारों तथा कल्याण के प्रति आदर-बैंक का मावसंसाधन आस्ति, जो बैंक के समग्र कारोबार वृद्धि के लिए उत्तरदायी हैं, के प्रति सम्मान है तथा उनके समग्र कल्याण में प्रगति की दृष्टि से उनके अधिकारों की रक्षा की जाती है। सभी कर्मचारियों को उचित प्रशिक्षण दिया जाता है तथा पेशे में उन्नति के लिए व समान तथा भेदभावरहित रूप से आवश्यक कार्यकौशल के विकास के लिए अवसर दिया जाता है।

उ) पर्यावरण के लिए सम्मान – बैंक प्रदूषण पर नियंत्रण व रोकथाम के लिए पुनरावृत्ति, प्रबंधन और अवशिष्ट को कम करने, स्थाई तरीके से प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन तथा भूमि तथा जल जैसे संसाधनों के अधिकतम उपयोग के लिए पर्याप्त उपाय किए हैं। साथ ही प्रदूषण रहित उत्पादन उपायों, ऊर्जा तथा पर्यावरण के कुशल उपयोग को बढ़ावा दकर जलावायु परिवर्तन की चुनौतियों के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया करनी चाहिए।

ऊ) सामाजिक तथा समावेशी विकास के लिए गतिविधियाँ

अपने मूल योग्यता और कारोबार के हित के आधार पर हमारा बैंक कार्यकलाप के आसपास के क्षेत्रों में विशेष रूप में समुदायों तथा भौगोलिक क्षेत्रों के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए गतिविधियाँ शुरू की है। बैंक ने शिक्षा, लोगों के स्वास्थ्य, आजीविका के लिए कौशल निर्माण, सांस्कृतिक और सामाजिक कल्याण आदि के लिए कदम उठाया है। बैंक सामाजिक और समुदाय कल्याणकारी गतिविधियों के लिए काफी रकम आबंटित किया है व खर्च करता है।

ऋ) हितधारी प्राथमिकताएँ- हमारा विश्वास है कि शेयर धारक, ग्राहक, कर्मचारी तथा गुणकौक्षी मूल समूह है जो बैंक को नियंत्रित करता है व भविष्य निश्चित करता है। इस दिशा में मुझे इस बात पर खुशी है कि बैंक अपना आदर्श-वाक्य “सर्वे जनाः सुखिनो भवन्तु” की भावना का अक्षरशः पालन करता है।

11. पुरस्कार

विश्वस्तरीय प्रतिष्ठा के विभिन्न वित्तीय पत्रिकाओं तथा एजेंसियों द्वारा किए गए सर्वेक्षणों के आधार पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों का एक ढेर हमारे बैंक को

7. Financial Inclusion – Corp Grameena Vikas Kendra

An innovative idea in the Banking sector-Financial Inclusion was first introduced by Corporation Bank in the Country. We have travelled a lot in this area.

Survey has been conducted in 1490 villages. Branchless Banking units i.e. Corp Grameena Vikas Kendras are operational in 1200 villages. Smart Cards have been provided to villagers to operate their accounts from their villages through Business Correspondents.

As on March 2010, 5.47 lakh 'no-frill' accounts have been opened with a balance of Rs. 25.97 Crore.

The amount advanced to GCC card holders amounted to Rs.26.76 crore. NREG and Social Security Pension (SSP) Payments are being handled through smart Cards in 6 Districts in Andhra Pradesh and Bellary District in Karnataka.

Total cards under NREG and SSP accounts issued is 1.75 lacs. This business model is being extended to Haryana state (Panchakula Dist.) and Gujarath (Anand Dist.).

The Bank is exploring tie-ups in other States. Branchless Banking using Mobile phones is being initiated on a pilot basis. Person to Person [P2P] – Transfer of funds through Business Correspondents facilitated.

8. Financing MSE Sector

Credit to Micro and Small Enterprises increased to Rs.5707 crore as at March 2010 with y-o-y growth of 43.93% over March 2009.

Number of Self Help Groups credit linked increased from 66984 as at March 2009 to 98274 as at March 2010.

Credit to Micro finance sector increased from Rs.291.94 crore as at March 2009 to Rs.537.43 crore as at March 2010, registering a growth of 84%.

9. Clientele Growth

In our ongoing journey, we are reinventing the importance of clientele growth. Incomparable solutions coupled with unique customer care by nurturing their needs with a personal touch has resulted in adding 864,761 new accounts under deposits during the 12 months period ended 31.03.2010. To improve share of low cost deposits, the Bank had acquired 807,774 demand deposit accounts during the same period. The total number of clientele stood at 103.71 lakhs compared to 95.07 lakhs as at March 2009.

10. Apart from this I am also delighted to share with you some of the customer centric and societal centric activities Corporation Bank has undertaken or under active consideration for implementation:

A. Care for all Stakeholders: The shareholders being the owners of the Bank are duly cared for in every movement of the Bank. A bank with 14.34 crore equity shares held by around

33000 shareholders ranging from individual investors to foreign institutional investors and the domestic institutional investors forms part of owners apart from the major part owned by the Government of India as promoter. To cater to the various needs of our shareholders a dedicated department namely "Investor Services Department" is at the service of the shareholders.

B. Customers are the focal point of all our activity and hence the total functioning of the bank evolves around them from the point of improving customer service and customer convenience. Our Bank has created a special image for itself in this area in the entire banking industry. Thus the bank is very popularly known as a public sector bank with efficiency of a private sector bank.

C. Ethical functioning: The functioning of the Bank is governed by Ethics, Transparency and Accountability and operates within the legal framework in the overall interest of its customers.

D. Respect for Workers' Rights and Welfare: The Human resource asset of the Bank who are responsible for the overall business growth of the Bank, is being well respected and their rights well protected for overall improvement in their welfare. All the employees are provided with access to training and development of necessary skills for career advancement, on an equal and non-discriminatory basis.

E. Respect for Environment: Bank has taken adequate measures to check and prevent pollution; recycle, manage and reduce waste, manage natural resources in a sustainable manner and ensure optimal use of resources like land and water, has proactively responded to the challenges of climate change by adopting cleaner production methods, promoting efficient use of energy and environment.

F. Activities for Social and Inclusive Development: Depending upon their core competency and business interest, Bank has undertaken activities for economic and social development of communities and geographical areas, particularly in the vicinity of our operation. Bank has taken steps for promoting: education, skill building for livelihood of people, health, cultural and social welfare etc., particularly targeting the disadvantaged sections of society. Bank has provided and spends considerable amount for the social and community developmental activities.

G. Stakeholder priorities : We believe the shareholders, customers, employees and the well-wishers constitute the core team which controls and decide the future of the Bank. In this direction I am happy to see that Corporation Bank has moved considerably well with the true spirit of the words inscribed in the motto "Sarve Jana Sukhino Bhavantu".

11. Awards & Accolades

A basket of national and international awards has been conferred on your bank by surveys conducted by various financial magazines

मिल गया है। वर्ष 2009-10 के दौरान प्राप्त कुछ पुरस्कार निम्नलिखित हैं -

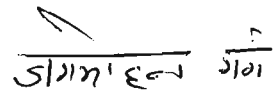
- बिजनेस वर्ल्ड तथा प्राइस वॉटरहाउस कूपर द्वारा किए गए भारत के बेस्ट बैंक, 2009 के रैंकिंग सर्वेक्षण में **मध्यम आकार बैंक की श्रेणी में नं. 1 बैंक**।
- भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के तत्त्वधान में “**बेस्ट ऑन लाईन मल्टी चैनल बैंकिंग**” श्रेणी के तहत **उत्कृष्ट बैंक पुरस्कार**।
- आईबीए, फिनाकल, तथा टीएफसीआइ के तत्वावधान में अपनी कारोबार गतिविधियों में **नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन** हेतु अपने प्रयासों हेतु **बैंकिंग प्रौद्योगिकी पुरस्कार, 2009**।
- राष्ट्रीय संवृद्धि में सहयोग हेतु योगदान में अपनी उपलब्धि हेतु “**वर्ष का समावेशन विजेता**” हेतु **स्कोच चैलेंजर पुरस्कार 2010**।

12. बैंक की प्रगति में अपनी सहभागिता तथा अंशदान के लिए मैं सभी कार्मिकों को सधन्यवाद देता हूँ। इसके साथ ही मैं भारतीय रिज़र्व बैंक, वित्त मंत्रालय,

भारत सरकार तथा बैंक के निदेशकों के प्रति इस प्रगति की प्राप्ति में उनके समर्थन व मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद व्यक्त करता हूँ।

मैं इस सुअवसर पर बैंक के बहुमूल्य शेयर धारकों के प्रति भी धन्यवाद व्यक्त करता हूँ जिनके समर्थन व मार्गदर्शन ने बैंक को बैंकिंग क्षेत्र में इस लोभजनक स्थिति पर पहुँचने में अत्यधिक सहायता दी।

भवदीय,



स्थान : मंगलूर
दिनांक : 01.06.2010

जे.एम.गर्ग
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक



and agencies with world wide reputation. To site few of them received during the year 2009-10 are:

- Bank has been rated **No. 1 in Mid-size Banks'** category in India's Best Banks' 2009 Ranking survey conducted by Business World and Price Waterhouse Cooper.
- Bank has won **IBA-Best Bank Award** under the category **"Best Online Multi Channel Banking"**.
- Bank has won **Banking Technology Awards 2009** for its efforts in **implementing innovative technologies** in its business activities under the auspices of the IBA, Finacle and TFCL.
- Bank has bagged **SKOCH Challenger Award 2010** for **"Inclusion Champion of the year"** for its achievement in contributing to inclusive growth of the nation.

12. I would like to thank all the employees for their active involvement and contribution to the progress of the Bank.

I would also like to thank RBI and Ministry of Finance, Government of India and the Directors of the Bank for their support and guidance in achieving the progress.

I also take this fine moment to thank all our valuable shareholders for their support and guidance which immensely helped the Bank to attain a coveted position in the Banking sector.

Yours sincerely,

(J. M. Garg)

Place: Mangalore

Date: 01-06-2010

Chairman & Managing Director



कार्पोरेशन बैंक

प्रधान कार्यालय : मंगला देवी मंदिर मार्ग

मंगलूर - 575 001, दक्षिण कन्नड जिला, कर्नाटक राज्य, भारत

सूचना

कार्पोरेशन बैंक (शेयर एवं बैठक) विनियम, 1998 के विनियम 56 के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि कार्पोरेशन बैंक के शेयरधारकों की 13वीं वार्षिक सामान्य बैठक **शनिवार, 10 जुलाई, 2010 अपराह्न 12.30 बजे**, सहस्राब्दि भवन, कार्पोरेशन बैंक, प्रधान कार्यालय, मंगलादेवी मंदिर मार्ग, पांडेश्वर, मंगलूर - 575 001 में संपन्न होगी जिसमें निम्नलिखित मदों पर विचार विमर्श किया जाएगा:

मद सं. 1: बैंक के 31 मार्च, 2010 के तुलन-पत्र, 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष हेतु बैंक के लाभ-हानि लेखा, लेखों में समाहित अवधि के लिए बैंक के कार्य-निष्पादन तथा क्रियाकलापों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट और तुलन-पत्र एवं लेखों पर लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार विमर्श, अनुमोदन तथा स्वीकार करना ।

मद सं. 2: वित्तीय वर्ष 2009-2010 हेतु अंतरिम लाभांश की अदायगी तथा ईक्विटी शेयरों पर अंतिम लाभांश घोषित करना ।

निदेशक मंडल के आदेश से
कृते कार्पोरेशन बैंक

(एस. के. दाश)
कंपनी सचिव

स्थान : मंगलूर

दिनांक : 28-05-2010

नोट

1. प्रॉक्सी की नियुक्ति

जिस शेयरधारक को बैठक में भाग लेने का अधिकार है, उसे अपने स्थान पर बैठक में भाग लेने के लिए एक प्रॉक्सी नियुक्त करने का भी अधिकार है तथा ऐसे प्रॉक्सी का कार्पोरेशन बैंक का शेयरधारक होना आवश्यक नहीं है।

तथापि, इस प्रकार नियुक्त प्रॉक्सी को बैठक में बोलने का कोई अधिकार नहीं होगा ।

प्रॉक्सी के रूप में ऐसे किसी भी व्यक्ति की नियुक्ति नहीं की जाएगी जो कार्पोरेशन बैंक का एक अधिकारी या कर्मचारी हो ।

विनियम 70(vii) के अनुसार प्रॉक्सी लिखत देने वाला, लिखत से संबंधित बैठक में व्यक्तिगत रूप से वोट देने के लिए पात्र नहीं होगा ।

प्रॉक्सी की सूचना प्रभावी होने हेतु प्रॉक्सी फार्म बैठक प्रारंभ होने से कम-से-कम चार दिन पहले अर्थात् सोमवार, 5 जुलाई, 2010 को कार्यालय समय की समाप्ति अर्थात् शाम 5.00 बजे से पहले बैंक के प्रधान कार्यालय, मंगलादेवी मंदिर मार्ग, मंगलूर-575 001, कर्नाटक राज्य में प्राप्त हो जाना चाहिए ।

2. प्राधिकृत प्रतिनिधि की नियुक्ति

बैंक के शेयरधारक कंपनी निकाय का विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कोई व्यक्ति, वार्षिक सामान्य बैठक में भाग लेने और मतदान करने हेतु तब तक पात्र नहीं होगा, जब तक उसे विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करनेवाले संकल्प की प्रति को उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा, जिस बैठक में वह पारित किया गया हो, सत्यप्रति प्रमाणित किया गया हो, बैठक की तिथि से कम-से-कम चार दिन पहले अर्थात् सोमवार, 5 जुलाई, 2010 को कार्य समय की समाप्ति अर्थात् शाम 5.00 बजे तक या उससे पूर्व बैंक के प्रधान कार्यालय में कंपनी सचिव, कार्पोरेशन बैंक, निवेशक सेवा विभाग, प्र.का. मंगलूर - 575 001, कर्नाटक को प्रस्तुत नहीं किया जाता है।

3. उपस्थिति पत्रक-सह-प्रवेश पत्र

शेयरधारकों की सुविधा हेतु उपस्थिति पत्रक-सह-प्रवेश पत्र इस सूचना के साथ अनुबंधित है । शेयरधारकों/प्रॉक्सीधारकों/प्राधिकृत प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उसे भरकर उसमें निर्धारित स्थान पर अपने हस्ताक्षर करें और उक्त उपस्थिति पत्रक बैठक स्थान पर सौंप दें । शेयरधारकों के प्रॉक्सी/प्राधिकृत